03.02.2026

समस्त सदस्यो एवं संकाय को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय मे IQAC के बैठक का आयोजन दिनाँक 03.02.2026 को किया जाना प्रस्तावित है।
बैठक की तिथि एवं समय निम्नानुसार है -

तिथि - 03.02.2026
समय - अपराह्न - 02 बजे
स्थान - कमेटी हॉल

अतः सभी IQAC सदस्यो एवं समस्त संकाय से अनुरोध है कि बैठक मे समय से उपस्थित होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान करने एवं सहभागिता सुनिश्चित करने का कष्ट करें ताकि शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गुणवत्ता मे निरन्तर सुधार किया जा सके।

बैठक का प्रमुख एजेंडा -

1. पिछले बैठक के कार्यवाही की पुष्टि एवं समीक्षा
2. पठन - पाठन प्रक्रिया का सुदृढ़ीकरण एवं शैक्षणिक गुणवत्ता उन्नयन।
3. आन्तरिक मूल्यांकन प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन एवं सतत् मूल्यांकन प्रक्रिया का विकास।

03/02/2026
प्राचार्य

IQAC (आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ)
समन्वयक

दिनांक 9 फरवरी 2026 को आयोजित बैठक का कार्यवृत्त

प्राचार्या जी की अध्यक्षता में IQAC की बैठक दिनांक 09.02.2026 को कोटी हॉल में अपराह्न 02.00 बजे सम्पन्न हुई। बैठक में निम्नांकित संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

क्रम सं.	सदस्य का नाम	हस्ताक्षर
01	प्रो० उषा कुमारी	
02	प्रो० अर्पिता मिश्रा	
03	श्री मती अनुभा श्रीवास्तव	
04	डा० माहेजबी	
05	श्री मती गजाला परवीन	
06	डा० दीपिका दूबे	
07	श्री मती सपना साहू	Sapna
08	कुमारी कामिनी (बी. ए.)	कामिनी
09	अंजली चौहान (बी. कॉम)	अंजली
10	अंशिका (बी. एड.)	अंशिका
11	रागिनी विश्वकर्मा (एम. ए.)	रागिनी

बैठक के आरम्भ में प्रो. उषा कुमारी (समन्वयक) द्वारा प्राचार्या जी एवं समस्त संकाय सदस्यों का स्वागत किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से एजेंडा के सन्दर्भ में विचार विमर्श करते हुए निम्न सुझाव / निर्णय लिये गये।

1 पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि एवं समीक्षा — पिछले बैठक में लिए गए निर्णयों की बिंदुवार समीक्षा की गई। समस्त निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन किया जा रहा है। अधिकांश कार्यों को सफलता-पूर्वक पूर्ण कर लिया गया है, जबकि कुछ कार्य प्रगति पर है। लंबित कार्य को पुनः आगामी माह के एजेंडा में सम्मिलित किया गया।

2 पठन पाठन प्रक्रिया का सुदृढीकरण एवं शैक्षणिक गुणवत्ता उन्नयन —

- सभी विभागो को शैक्षणिक कैलेण्डर एवं समय सारणी का अनुपालन करने हेतु निर्देशित किया गया।
- छात्राओ की उपस्थिति बढ़ाने एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु पाठ्य सहगामी क्रियाओं का नियमित एवं प्रभावी आयोजन सुनिश्चित किया जाए।
- कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी एवं रोचक बनाने हेतु संवादात्मक शिक्षण विधियो के प्रयोग करने का सुझाव दिया गया।
- छात्राओ मे स्व - अध्ययन की प्रवृत्ति का विकास करने पर बल दिया गया।
- शिक्षण प्रक्रिया मे सुधार हेतु छात्राओ से नियमित फीडबैक प्राप्त कर उनका विश्लेषण किया जाए।

2 आन्तरिक मूल्यांकन प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन एवं सतत् मूल्यांकन प्रक्रिया का विकास —

- आन्तरिक मूल्यांकन प्रणाली को अधिक छात्र केन्द्रित एवं परिणाम उन्मुख बनाया जाए।
- आंतरिक मूल्यांकन के अंक समय पर संकलित एवं अभिलेखित किये जाए।
- मूल्यांकन प्रणाली मे निष्पक्षता एवं गोपनीयता का ध्यान रखा जाए।
- छात्राओ की प्रगति का सतत आंकलन किया जाए।
- छात्राओ को मूल्यांकन के पश्चात नियमित रूप से फीडबैक प्रदान किया जाए।